



天

दिव्यत्रयसूत्रपीठसाम
वसुधात्रयवैद्यश्रीक
थानागवत्साहकिवत्सव
ह्नाथीवृक्षीवर्द्धनि॥ विद्या

ब्रह्मवत्सलप्रदावंशुधरिः
 निवद्याध्वनिप्रवर्ति ९
 ॥ अहोपायसिन्हादवी ॥ यु ॥ दि
 ध्वनिप्रवर्ति ॥ आत्मनाम

वं कुमाकुलमन वृत्तिना वृत्तिर वीविद्यायानस्य वृत्तिर वृत्तिना वृत्तिर वृत्तिना
 सर्वा वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर
 नाद विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं
 मा वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर
 नि वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर वृत्तिर

॥ श्री ॥ सिधिवत्सपदा ॥ यानयं न्यमाहात्म्यं श्रीजिनाजिनविक्रमा ॥ ऊगदे कहिनायूका
 संयमा नावनिगुहा ॥ ऊमियावमिनादविशीलनीयानव्यायिनि ॥ वां ऊनियम
 आविव ॥ यममासनमासनी ॥ शुधवृथिमहाकं ऊरुमवधं पताकवि ॥ विंताम २
 निधविदविपुहायूककव्यायिनि ॥ निधनकं नमावृक्षधं न्यागवधनधिया ॥ ने ॥ दि ॥
 वारुकं माहाश्रीदि दिव्याहवधधिनि ॥ मानवि सर्ववृक्षनां वत्तधनं स्ववत्

वी ॥ सून्यमाहाविनिदवितावां ताववि वरुं नि ॥ वेन्ययकिविन नावधविधिनि
 ऊमरुं नि ॥ रिदनि सर्वमायातां सफपातालकाहनिवा ऊनीवदमा नावगु
 कदाजगु कवासिनिमवखकिवि सावा ऊचि वरु वधं विहाविनि ॥ वधगानि
 नही वं मावजिनिधर्मवधनि कर्मवधनं वीवि यावि सहाहाहममुलीवा
 धनि सर्वमायातां वाधं गकन ॥ गधविधं न्यादि मुकि संयन्न शूठ योदयहावि

॥ श्री ॥ निसर्वांशं साधनित्वा हि ब्रह्ममिदं विक्रमाद भंती ब्रह्ममागमं नान्तर मार्गयदः
भंती ॥ वागी स्वामी साहासांति ग्वयि धानि धनं ददा ॥ द भंती ब्रह्ममागमं नान्तर मार्ग
यद ॥ वागी स्वामी साहासांति ग्वयि धानि धनं ददा ॥ शु ब्रह्माध्यायनी सिद्धाः ३
आगियागमस्ववि ॥ मन्नाह विमरुकांति सूत गायी यद भंती ॥ सार्धं वाहक ॥ दि ॥
या वृष्टिः सर्वनाथ गतात्मकी ॥ नमस्तु तु महाद वि सर्वस्वार्थदायनी नमस्तु

नदिव्यययि व वधुषावा नमस्तु न ॥ श्री सा न प्रसन्नं नाम वि काल ययधदि सां प्रा
प्राप्ति नियतं सिद्धिर्मिसिधे ममनार्थ ॥ यद ह्ना नाह नं पाये मा न न यं स्या न
न ॥ न न सर्वं ययि धानि ॥ स व ना नाम रु ड कं ॥ अथ वा सिल सेय न ॥ स य न
नि स्र वो रु व न ॥ यी यध द यवा क व नृपवा नृपी य द भं न वि य क की य वृणा द
य मय जाय न ॥ य न रु मि स वं पायं ॥ यथा पाये सखा व नि ॥ ॥ कृ मि शा ॥

॥ स्व ॥ वसुधा वा नाम धाव निर्ययि
दि ॥ ॥ ॐ नमो ह गवः
॥ ॥ ॐ वं मया धूमक
ऊष्विह वनि सम ॥ सर्व
वज्र कोध ह य वज्र ह यः

समाधि ॥ ॐ ॥ न धर्माया
न आय वरु विराव नाथ
सिन्न सम य ह गवान ॥ व ४
स नीवे वरु सय म विदेश य ॥ म ॥
दहा वन स्मृ ॥ मृ क यः

मृ क यं स मृ क रु धि वं सर्व नाय नि ह कं ॥ सर्वा माय या कि ना सर्व मय विदा य न
क वं ॥ सर्व स ल सा द न क वं ॥ सर्व वि या कु द न क वं ॥ सर्व वि या स ल न क वं
सर्व क र्मा वि धं स न क वं ॥ य व क र्म वि धं स न क वं ॥ सर्व गृ ह सा द न क वं ॥ सर्व
गृ ह वि मा च न क वं ॥ सर्व रू ना य क वं ॥ सर्व वि या म क क र्म य ना य नं ॥ आ सि धा
ना सि ध क वं सि धा ना का यि ना स न क वं ॥ सर्व क र्म य द स र्वा ना व ज्र न क वं ॥

॥ स ॥ तिकं यदिकं सर्वसखातां सु म् न क वं सर्वसखातां मा ह न क वं ॥ ॐ मा म रु म व ल
 वृक्ष नू मा हा व या य ऊ ङा व ऊ णा नि यु त्वा हा य न म् ॥ ॐ न म ४ व ल रु या य ४ ॥ न य
 धा ॥ ॐ न २ क न य २ स्त न २ स्त न य २ घ न २ घ ना य य २ सर्वसखातां ॥ वा ध य ४
 २ सं वा ध य २ कु म २ का म य २ कु म २ का म य २ सर्वरु ना नि कूट २ सं कू न य २ स ॥ म ॥
 व स कू न य न २ सं य न य २ सर्व वि या व ऊ स्त न य २ व ऊ क न २ व ऊ म न २ व

५५
 ऊ व जा दि हा म नी ल व ऊ म् व जा य स्वा हा ४ ॥ ॐ रुं रुं रुं म स्त ल घू न रु ल नि रु ल
 कू व २ व ऊ वि ऊ या य स्वा हा ॥ ॐ व ऊ कि लि कि ला य स्वा हा ॥ ॐ क न २ म न २ व न २
 मा न न य मा न ना य स्वा हा ॥ ॐ व ल २ नि व ल २ रु न २ म व २ मा व य २ व ऊ वि रा व ना
 य स्वा हा ॥ ॐ दि द २ रि द २ मा हा व ऊ कि लि कि ला य स्वा हा ॥ ॐ व ध २ की ध म हा
 कि लि कि ला य स्वा हा ॥ ॐ ह व २ व ऊ ध वा य स्वा हा ॥ ॐ य ह व २ व ऊ य ह व ना य

॥ स्व ॥ स्वाहा ॥ उं मनिस्थिवज्ज मनिस्थिवज्ज माहावज्ज मनिस्थिवज्ज यहुनिस्थिवज्ज
वजाय स्वाहा ॥ उं धव २ धिदि २ धूव २ सर्ववज्ज कुबूमावर्णय स्वाहा मम ८ सर्वमकुमा
वय २ रुं रुट स्वाहा ८ ॥ उं नम ८ ममं न वजा नां सर्ववल्मावर्णय माहावल्मावर्णय क
न ॥ म्रवर्मदंलमाय म्रनिवज्ज माहाविमल ॥ म्रजिनं कल ॥ टिटिटिटिटिचिंगल ॥ म ॥
न ८ वनिनिमहावल ॥ वजां कुसुहालाय स्वाहा ॥ उं नमावल्मावर्णय ॥ नम ८ वधु

वज्जयानय महायज्जयानय ॥ उं हव २ धव २ मध २ वज्ज धव २ वज्ज हव २ वज्ज
यव २ वज्ज धव २ वज्ज धव २ य २ धव २ दाव २ वज्ज दिव २ वज्ज रुं रुट ॥ नम
८ वं उ वज्जयानय महावाधाय कुबू २ निव २ वध २ रु न २ म्रमृन रुं रुट ॥ रु
दयमूलमं ८ ॥ सर्वपायज्जय रु स्वा सर्व ८ ८ खविनाम न मना नि सर्वम
जा नां सर्वधीममलं रु न उ य सां न दि या रु स्वा न म्र य य रु नायूपल नि ल

॥ स्व ॥ विविशस्तुववनिश्चयवामूखा कानाप्रियजनरस्तुकुंडवधुडयडवानाम
स्वयंसमर्थनांरुयावसनमेवचयहृनजकुविडावाकार्कोदादावृनागु
हायापेकयस्थनस्वप्रसकायामसमृद्धिर्न ॥ नवसस्ताकसुविनास्तानवसुक्त
सूक्तमं ॥ गृनाकुमं ॥ सुकुंगामि वं वृषगावचयसनविक्तसमना ॥ सुवि ॥ म ॥
वक्तुवलंकनानवसर्वचरस्तामाडयमगंसुदावृनानजामिवयुसामय

समस्तसर्वमाप्नुनाश्रयश्चवर्धनपूजयापसर्वयाय ॥ विमात्रिकुंमनिमर्षयदूर्वाति
वननाकुनसर्वदनेवकुशंधिन ॥ पृथेवकुवमापूर्यकावनायनकुचकुनंवा
यिसुविवक्तुनवासिनं ॥ एकविंसमिवावावावावानस्तानवसमं ॥ ऊपकुवकु
विदावनमकुकाययस्माधिव ॥ सदायवंपूनादिनाककुनन ॥ मययंभुक्तं ॥ ॐ
दमवाचनरुगवानारुमनास्तुववउपात्रिकगवंकलाधिनमनंनंदनिमि ॥

॥ सं ॥

ॐ निष्ठा आर्य वरु विदा
ममाय ४ ॥ ॥ उधर्मा
गवर्त आर्य ग नय निरु
धुर्त मक सि ममय न गवा
युध कू न पवर्त मरु ना रि रु

वन रुदय मखा धा व नि
हारि ॥ ॥ उ न मा न
द या ये ॥ ॥ उ वं मया
न ना न गुरु विरु व नि स ॥ ग ॥
मेध न मा र्ध म र्ध रु था द स

हि रिं रु स न स मरु ले श्व वा वि स ल म हा स स न न ख न य न स म य न र ग वा न
यूष्म ब मा न द मा सं तु य न स ॥ य क वि कू ल यू न आ न द व मा नि ग न य नि
रु द या नि ॥ ॥ अ धि य नि अ धि य नि य य वा य नि ॥ ॥ उ व र्ध यि य नि न स स र्व
का र्था नि सि व नि रु वि षं नि ॥ न य थ ॥ ॥ उ न मा रु व म हा ग न य न य स्वा हा ॥
म ग म ग म ग म ग ॥ ॥ उ ग न य क य स्वा हा ॥ ॥ उ म धि य न य स्वा हा ॥ ॥ उ ग

॥ मं ॥ अस्व वाय स्वाहा ॥ उं गनपमिपूजि नाय स्वाहा ॥ उं गनस्रवाय स्वाहा ॥ उं गनगधमि
 पूजि नाय स्वाहा ॥ उं कट २ मरु २ द व २ वि द व २ ह न २ गृ क २ वा व २ हं ऊ य २ स
 म् २ मा रु २ ट ह २ द या य य २ ध ना दि सि धि म पु य रु ॥ उं नमा बू डा व व ना य स्वाहा ॥
 ॥ उं श्री दू न न विं इ ति कृ वि रु म हा स मा ग रुं मि ॥ महा ह य महा व ल य बा ऊ म
 महा रु स्ति द जि ना य पु रो द दा य स्वाहा ॥ उं नमा मु न महा ग ध य न य स्वाहा ॥

उं ग ग ग म ग ग ग ग ॥ ६ ॥ उं गनय न य स्वाहा ॥ उं गधा धि य न य स्वाहा
 ॥ उं गधय नि पूजि नाय स्वाहा ॥ उं गध स्व वा य स्वाहा ॥ उं गनपमिपूजि नाय
 स्वाहा ॥ उं कू वू २ स्वाहा ॥ उं मू वू २ स्वाहा ॥ उं रु वू २ स्वाहा ॥ उं मू वू २ स्वाहा ॥ वू दं मा
 ने द ग न य नि रु द य ॥ य क वि कू ल पू ज वा कू ल रु हि ना वा ति कू वा ति कू नो वा
 या रु को वा ॥ उ या नि का वा ॥ य क मि कू र्य मा ल रु न मं रु सा ध न वा ॥ मि य न

॥ सं ॥ पूजां वा दंभं न वगमने वा बाहुकूलगमने वा ॥ श्रुतार्थं न वा न प्रवृत्तं न वं न पूजां
कृत्वा ॥ आर्यमहागनपतिरुदयं सयं वा बानूवा ययिनं च ॥ सर्वकार्यानि न स्यमि
ध्याने नात्र संशयः ॥ सर्वकलिकलहं किं मदं मलिषूनि मं समनं च सर्वयु समं ॥ १०
हृदि ॥ दिनदिनकल्पसमूह्य सर्वसयं वा बानूवा ययिनं च ॥ महासोताग्धः ॥ ग
हविष्यति ॥ बाहुकूलगमनकाले न महायसादाहविष्यति ॥ श्रुतिधवाहवि

ष्यति ॥ न वा स्य कार्यं माहावाधयाहविष्यति ॥ न कश्चिदवभावं युक्तिः ॥ ११ ॥ वम
चलष्यं न ॥ रुगावतावं लष्यं न वा स्य विना न वायाहविष्यति ॥ समासो जातो
जातिस्मवाहविष्यति ॥ ॥ ॥ दं मवाचनं न गवाना न मनानं चरि कृसाच स
र्ववक्तियर्षं सदेवमानूषा सुबुगबूदं गंधर्वधलोको न गवना साधिनं मनं न च नि
ति ॥ ॥ ॥ किं आर्यगनपतिरुदयं न मया च नियति समाये ॥ ॥

॥ वू ॥ कथं मया दि ॥ ॥ ॐ ॥
 षष्ठि कथाये ॥ ॥ अथ म
 गवान् सुख वस्य धर्म संगी
 वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सुखय
 नाहं नथागतं श्री यथा वला

नमो नमो गन्धर्व आर्य उस्मि
यादु नमो कस्मि नमो यर
मिमहा गुह्य साद नमो ११
मिस्मिना नमो वानर मिः ॥ ३ ॥
कि न ह नवाधिस खमहा

सत्यमासे कृतं स ॥ संनिकूलयुक्तावा इषिना स सत्तामाधिपतिरिति हिता
नूनत्यायुष्कं न संमर्थाय हिताय सुखाय नूमा सर्वं न भगना उक्तिः पवित्रया
नामधेयकावय दृढसयययवा प्रयास्य च विज्ञानमं प्रकाशय न ॥ दि
र्घायुष्कं नाम्नाययनि ॥ मृधस्वल्पा र्यावन्ना किमस्वदाताधिपत्य उल्हाय स
नादकासंघ ॥ कृमां कल्पिना तत्त्वा तन्ममं नमदवाव नू ॥ दसयकु रगवा

॥ वू ॥ युमिनिमो न यशु च ॥ सर्व न थाग न समया नाधि द्वा नाधि धि न ॥ उं महा मूनि
 २ महा मूनि विमूनि महा विमूनि ॥ मति २ महा मति ॥ सम नि सू मति न थ ना को नि
 य वि सू च वि सू न वि सू च ॥ उं कू कू ऊ य २ वि ऊ य २ सा य २ सू य २ स्वा य २ स ॥ १३
 र्व मू दाना धि द्वा ना धि धि न ॥ उं सू च २ वू च २ व ऊ २ महा व ऊ ॥ व ऊ ग र्त् ऊ य ग ॥ ५॥
 र्त् ॥ वि ऊ य ग र्त् व ऊ काला ग र्त् ॥ व ऊ हू व व ऊ सं व व ऊ व डि नि व ऊ र वं कु म

मवीयं सर्व सत्त्वा नां च का य य धि शु धि र वं कु म म सर्व सत्त्वा सर्व या सर्व ग नि य धि
 शु धि शु म म सर्व न थाग ना चा यि मां म मो स्था स यं कु ॥ उं वू च २ मि च २ वा य २
 वि वा य २ सा य २ वि सा य २ सा य २ वि सा य २ स मं ना सा य ॥ स मं न
 व स्मि य वि सू च ॥ सर्व न थाग न हू द या ना स धि द्वा ना धि धि न ॥ उं मू च २ म
 हा मू च २ महा म दामे च य द स्वा हा ॥ वू यं सा कूल पू च सर्व न थाग न उ डि

॥ वू ॥ षवि कयातामध्वनिमहामूर्धदधुकाविनियविनियविचिंतामयनामति
 लिविनाकुजपवमन्यकुया ॥ कोविदेममध्वजहसाधीनसंस्थायामधुन
 मूडावायुजांकुल्लिखदकिधसकृष्टकर्मय ॥ यथासिंहगवान्मूवकसर्वय १४
 नातामलिमिखाधर्मधकुगतं संस्थायसंयुयंकुनपनाकायूषधूपदीपगं ॥ ५ ॥
 धनेवयादिकं सर्वपूजातिपूजयम् ॥ ॐ मासर्वतथागतस्त्रिषवि कयाता

मधावनीवावयन ॥ श्रीकृतदूर्वाजनमयेममध्वसर्वयन ॥ यं सवेकृन्मृग
 वमिमायनामध्वविहितविष्पनि ॥ दानेदामेवं सफदिनाय ॥ सफमासायुष
 न्यागमिष्पामि ॥ सफमासायु सफ वर्षानिजीवनि ॥ सफवर्षयु सफवत्मानि
 जीवनि ॥ ५ ॥ ऊवसायुसमंजीवनि ॥ पचसायुसमंजीवनि ॥ संमदिमोत्तवंनि ॥
 महावागयविमूकात्तवंनि ॥ श्रीवायुवर्धसममध्वनविष्पनि ॥ ॥ ॥

॥ वृ ॥ **र्य उस्त्रिष्वि जया नाम ध**
धर्मा न्यादि ॥ ॥ ॐ न
वदिता वाये ॥ ॥ ॐ न
सितां राय न धा ग का या
नमा आर्या वला कि न स्व

च निममाय ॥ ॥ ॐ
मा र ग व न आर्य प नै स
मा व न्न रु या य ॥ नमा आ १३
इ ह न स म्य कं वृ द्वा य ॥ ॥ १४ ॥
वा यु वा धि स खाय महा स

वाय ॥ महा का वृ नि का य ॥ नमा महा स्था न पा फा य ॥ वा धि स खाय महा स ख
य महा का वृ नि का य ॥ का म न ख न म स्या मि खं न म स्या नि वा म न ॥ ह ग न
नि धि आ वि य न स व दि या स य व सू वा व दि ॥ या नि का नि वि ल्हा या यू य य
न ॥ या नि का नि धि स हा मा या या नि का नि धि द न या ॥ य क वि द न या ये क
वि र य ड वा क वि ॥ इ वा य या मा क वि द वा नि का ह या क वि ड वा ड व क वि

॥ वृ॥ इवयसर्गाऽयसं वृथाऽयं न ॥ सर्वाणि नि सर्वं तु वापयं न नयति न ॥ न
 दननसमनसमये वचनन ॥ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ॥ अलिपिणि न विस्मिन मय पद
 ॥ मम सर्वे सखा नो वचनं कूर्वन्तु यद्विद्यानं कूर्वन्तु यद्विद्यानं कूर्वन्तु यद्विद्यानं
 न कूर्वन्तु यद्विद्यानं कूर्वन्तु ॥ मय यद्विद्यानं कूर्वन्तु यद्विद्यानं कूर्वन्तु यद्विद्यानं
 श्रुतिपिदि कूर्वन्तु ॥ इदं कयद्विद्यानं कूर्वन्तु ॥ काखाददुद न कूर्वन्तु सिमावधन

६३
 ॥ म ॥

कूर्वन्तु यद्विद्यानं कूर्वन्तु ॥ न यथा ॥ उँ श्रुमन् २ श्रुमन् ॥ लव श्रुमन् संलव
 आमास आस स्थगमा ॥ मा वय २ मा वय २ मय मम इय मम सव वा धिनय म
 मस वाका वमृ नृय मम ॥ सर्वं ग्रह न ऊरु दाषा नृय मम सर्वं नृय मम
 मरु गावनि यनं सर्वं वि ॥ नृन २ विलु न २ लुन २ लु वृम स्वाहा ॥ उँ लो वि गंध
 विजाधु विमानं गिपूकं सिमाहा ॥ उँ नृकुल कूर्वन्तु यनं सर्वं वि स्वाहा ॥ नमः

॥ सु ॥ र्वसवनामो महा ॥ सवनामो
यिमादिस्वाहा ॥ उं यिमादि
यिमादिस्वाहा ॥ ॥ आर्य
या ॥ ॥ ऊं धर्माद्यादि ॥
हामादि विद्यवनाये ॥

गवनिधिमाविद्यर्त्तसवनि
यर्त्तसवनि जी ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥
यर्त्तसवनि नामावनिमम ॥ ६ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

समयह गवान्नावना विहवनिमम ॥ ऊं वनना धियु स्वावाममह माहिकुस
यनसार्धमईदु यादमनिहसने ॥ संवेकं लेख महा अवक वाधिसखमहा मखेकं
खल्लह गवान्नाहिकुमा संकु यक स्त ॥ अमिहिकु वा मादि विद्यवनामा सूर्यवदु मख
यूवना ॥ नग हनि ॥ मानदधन नग हनन नवधन न मूखन न मूखन न वधु
न न दधन न न संकु मयग हनि ॥ यायिन मया हनिहिकु वा मादि विद्यवनायाताम

॥ शु ॥ जानासि सायिन न दग्ध न नमृ घन ॥ न निवृत्त न नमृ घन ॥ न दग्ध न नमृ
 म्भु मय गद नि ॥ साहसि कृ वा मा वि विना मद व मा यां जानासि ॥ अहं मयि
 न दग्ध न नमृ घन न वेध न नमृ घन नमृ घन न दग्ध न नमृ घन न दग्ध न ॥ १०
 स भु मय गद नि ॥ ॐ सा नि मं शु य दानि रु वि ध नि ॥ न य धा ॥ उ य वा ॥ ॥ क ॥
 क म सि उ द य न सि व व म सि मृ क म सि मृ क म सि उ म म सि व व म सि

दु म म सि दी व व म सि मृ न धान म सि सा हा ॥ उ मा वि वि द व मा या य धा मा
 म य य मृ क क ल ना मा म य य वृ क न य न ना मा म य य ह मि रु य ना मा
 म य य वी व न य ना मा म य य मृ नि रु य ना मा म य य उ द क रु य ना मा
 म य य सर्व पु न्य धि क पु न्य मि रु रु य ना मा म य य ॥ मृ क ल व मृ क ल व मृ ना
 क ल व मृ क ल व मृ मृ रु नि रु व ॥ नि रु ना म व रु व य ना म व रु व

६३

वज्र ॥ न यथा ॥ ॐ श्री लो मा लो म ह लो म ह मू वि मि व ज २ मां स य वि वा व ल २
 य र स्ता नां ॥ व रु मू ख वे ध वे ध सा हा ॥ वे न व व र्जा वि व लि श व ला लि व ला रु मू खि
 सर्व र रु य र स्ता नां व रु मू खं ॥ वं ध २ स्ता हा ॥ ॥ आ र्यं प्रा शि शि ना म धा
 व धि स मा य ॥ ॥ ऊ ध र्मा र्णा दि ॥ ॥ ॐ न मा ह ग व द्य आ र्यं य ह
 मा लि का ये ॥ ॥ व वं म या व म क स्ति स म य ह ग व द्य ॥ मू द क व र्णा म हा

नमोऽयं सत्तकदवनामञ्जु
महावगायश्लाघाविष्णुस्तु
निश्चयवाहकैकुलिश्रुष्ट
माता॥ महावज्रमखमयात्
सत्तविहवमिस्म॥ अत्त

गंधर्वाश्च गन्धर्व उक्ति नय
गन्धर्व उक्ति नय
विस्तमि नऊ जादि ति ऊय
काले व्युहाधि शाना सिंहा
कमाधिसलन महासत्यः

॥ ५ ॥ वर्जमर्तनव ॥ नामवाधिसत्वन ॥ महासत्वन ॥ वज्रधुनवनामवाधिसत्वनम
 हासत्वन ॥ वज्रसंननवनामवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ वज्रवाङ्मनवनामवा
 धिसत्वनमहासत्वन ॥ वज्रवर्गनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ वज्रवि २०
 कृविनेनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ वज्राधियगिनवनामवाधिसत्वन ॥ धि ॥
 महासत्वन ॥ वज्रालंकूलनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ वज्रविद्वानस

धनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ जगिन्वज्रनवनामवाधिसत्वनमहा
 सत्वन ॥ यमकुरुनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ श्रार्थावलाकीरखव
 नवनामवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ समंकरुडनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन
 न ॥ समंतावलाकिनेखवनामवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ लाकडीयानवना
 मवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ यमकुरुनवनामवाधिसत्वनमहासत्वन ॥ यत्न

॥ ग ॥

ककुनचनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ विकसिमवऊनचनामवाधिसत्वन
महासत्वन॥ यमनकुनचनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ यमनकुनचना
मवाधिसत्वनमहासत्वन॥ मञ्जुश्रीयानचनामवाधिसत्वनमहासत्वन
॥ दिपंकनचनामवाधिसत्वनमहासत्वन॥ मेकुनचनामवाधिसत्वन
महासत्वन॥ उवंपमुखे० वाधिसत्वनसंयने समसह० ॥ साई यदिवृमयू

२९

॥ गि ॥

वसुनाकगवानवर्मदसयंनिस्म॥ आदोकल्यानंमध्वकल्यानंयथ्यवसोमकः
ल्यानं०॥ सावर्धस्वयंऊनेकवलंयदियूर्णयदियुद्धयथ्यवजानंदुक्तवर्णसं
युकोमयमिस्म॥ विनामनिमहाबुहानकावनामधर्मयथ्यवंधसयंनिस्म॥
धखलवजयानिवाधिसत्वनमहासत्वन॥ नत्यर्षमधुलमवलाकासनाइष्टायाव
अधिवाननरुगवन्ममनकसमसहअपुदकिनिहृम्यपुनमयवनानिष

॥४॥ यमं ॥ मृधखलूकगवान्मृकमृनिनथागन ॥ खरुदयाकवृत्ताविकृदिनमामय
स्मिहलवायगुहानामृधिविद्यवसयंमिस्म ॥ मृधमनकनादवसर्वगहाआदि
न्यादयाउत्थायमनाकगवन्मृकमृनिनथागन ॥ हंभंमेवामि ॥ दिवयूजाहि ॥ २२
यूजयित्वायनंमृमानूकनांजलियूनाहृत्वाकगवन्मृदमनदवाचन ॥ उंमथाक ॥ ॥४॥
लायन्यादिन्यायनमस्वाहा ॥ पूर्वदल ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥

[illegible]

॥ ना ॥ कमासु कयक मक मिमा
वम वगुदं सियहनजकुम
दिनेसक वा नान वा वयक
कि कानामध वधि समाक
रशं नमसा जाये ॥ ॥ ॥

वम ॥ यावधिकोत्तरा ॥ वा
थुलमधायुग यिवादिन
॥ ॥ ॥ विधीग्रहमा २३
॥ ॥ ॥ ऊवमं त्यादि ॥ ॥ ॥
मल्लन वक वम ना नाथ

सुखिनाजिन ॥ नानाद्रुमलगाकि ॥ नानायकि नि कूर्जिन ॥ नानानिर्जन प्रका
न ॥ नानामृग समा कूल ॥ नानाकूल मजा नि नि ॥ समं नाय धिवासिन ॥ नानाह
य रुलायन ॥ यद्यथांगानि निखवे ॥ किं न वे म वृंगी नं मरु वा वध संकूल ॥ मि
दिविया धवग ॥ धे ॥ गंधर्व शनिर्नादि ॥ मृत्ति लि ॥ वी न वा ॥ लो ॥ स न नं मृत्ति
सविन ॥ वाधिसखाग ॥ लो ॥ धा ॥ द धा ॥ लो ॥ सी ॥ ध ॥ व ॥ धि ॥ आ ॥ य ॥ ना ॥ वा ॥ दि ॥ ति ॥ र्द ॥

॥ ना ॥ अविद्याबाहु सहस्र उ॥ कोट बाहु गच्छे श्वोर्हयग्रीवादिरिर्वृत्तं ॥ सर्वसत्त्वहि
 नायूक्तं गवानवलाकि न॥ बीजं हावनं कथीमान् यमगर्हासनसि न॥
 सहस्रानयसायूक्तमंगुलवक्रययान्निना ॥ धर्मद्विदशेन सप्तस्य सहस्रादवयव
 दि॥ नञापविष्टमागम्यवक्रपाक्षिर्महावल॥ यत्रमक्रययायूक्तययुहासा ॥ वा ॥
 वलाकि न॥ नक्षत्राद्यगसिंहप्रिगजवापुम्वगंकन ॥ साद नमिमूनसत्वाः

ममसंसारसागव ॥ वक्रासंसारिके पा॥ मे॥ वागद्वयमममये ॥ मूचनयननस
 खातभ्रुकुहिसहस्रन ॥ ॥ एवंमूकजगन्नाथम॥ श्रीमानवल्लोकि न॥ उवाच
 मधूवावाधिवज्रपाक्षिपवाधिना ॥ गृध्रगुहकवाजुडमृमिनात्सनायिन॥ य
 क्षिप्रानवशात्यन्नामसाह॥ लाकमानव॥ महाकबूधयायमाजटाइव्रक्षधृता
 उदिनादिरुगंकाभायू॥ र्ध्ववदनयता॥ ॥ सयंनिनिमातामासदवाः सुवमान

॥ ना ॥ पाठ ॥ कस्य यन्त्रि कथा का आभयं च ऊ वा ऊ सा ॥ नीलाश्व च कथा दती मा ले २ शिनि
 वृ व न ॥ जगत्सं च ऊ नार्था य ग्रह मूल्या दि ता ऊ ने ॥ का भा व स मु भं या न ना ना ह
 य स मो कू ल ॥ स च भा द व ना मा नि स खा च ऊ म्प हं स दा ॥ ना च यि ष्या म्प हं स खा २
 ना ना ह य मे हा र्ण वा न ॥ न त ना च नि मां ला क ॥ ग यं नि मू नि यू ग वा ॥ क मो ऊ ॥ ॥ ॥
 लियू ना ह्वा ॥ न र ४ सा द न सा च सा ॥ क लं नि स्र ऋ वि ऊ ह्वा ॥ वि दं व व न व व

व न ॥ ना मा ह्वा क ग नं कृ हि य स्र वा की र्ति नं ऊ ने ॥ द ग ह्वा सी ध च ना ॥ थे वा धि स
 च मे ह्वा डि के ॥ सर्व पा य ह चं यू ॥ मां ग ल्य कि र्ति व र्द्ध नं ॥ ध न धा य क चं च व श्रा
 ना गं यू हि व र्द्ध नं ॥ अ यू वा ना ग्ध ऊ न नं ॥ सर्व स ल्वा य मू ख व हं ॥ ल क्रि षि ह्वा य
 कं च व ॥ सर्व स ल्वा वि व र्द्ध नं ॥ मे हिं मा लं च स ल्वा नां ॥ न कि र्त्त य म हा मू न ॥ च व मू
 क र ग वा न् ॥ ए ह स न्न व ला कि न ॥ च व ला च्छ दि ग वां ॥ म ग्ग म्प ह्वा च य या द म्प ॥ द

॥ मा ॥ जिह कवमूदम् ॥ यधलज्जमधिनं ॥ तमूवाचमहायाह ॥ साधूसाधूमहाकय ॥
 नानादुनूमहातागसर्वसखेकवत्सव ॥ जानिसंकीर्तिमनूमासस्यकस्यई ॥ गंध
 बा ॥ सर्वसाधिवीनमूकं ॥ सर्वधर्मगुणाधिना ॥ अकालमृत्युनिर्दग्धा ॥ चूनायाः ॥ २३
 निमूखवनि ॥ नायकं संयुवजामिदवसंयागृताथम ॥ अनूभादधमनकाहवि ॥ २४
 यधंमूनिवृता ॥ उं लावनमूलावनतावतावाहव ॥ सर्वसत्यानूकंयनिकंपिनि

सर्वसत्त्वकावशिजया ॥ सरुअरुजसरुअगार्थ ॥ उं नमाह गवनमूवलाकय ॥ २५
 सर्वसत्त्वनाथ ॥ रूं रूं रुट् ॥ स्वाहा ॥ उं नावकु नावकुवस्वाहा ॥ उं सिद्धगुमिद्ध ॥ २६
 विगुद्ध ॥ सगनामज ॥ मेवीहृदय ॥ निर्मल ॥ मममममदपिमहायाह ॥ उवववव
 हृषिक ॥ अयवाजिनामहाबोडी ॥ विश्ववृषीमहावला ॥ ॥ उं म० श्रीम० यथा ॥
 कल्यातनीमहामंजा ॥ लाकधारीमहायसा ॥ सबसनीविमलाजी ॥ यकाशीवृषि

॥ का ॥ वई नी ॥ उं थु मि दायू छि दायू हा ॥ उं का बा का म वू यि नी ॥ सर्व सख हि ना यू का ॥ स्य
 मा का वही ऊ या ॥ पु ला पा व मि ना य वी ॥ आ र्य ना वा म ना व मा ॥ ई द रि सं खि नि
 यू र्ण ॥ वि या बा हि यी यं व द ॥ वं द न ना म हा ॥ गो बी ॥ अ जि ना यी न वा स या ॥ महा मा ॥ १०
 या म हा ॥ श्व ना म हा व ल य वा क म ॥ महा बो डी महा व धु ॥ इ ह स ख नि सं द नि ॥ पु ॥ ॥ वा ॥
 हां ना म भ बू या श्व वि ऊ या क ल न प हा ॥ वि थू मा लि व जी ख जी ॥ व जी वा य य ना ॥

यू थ ॥ उं ह नी सं ह नी काली ॥ काल बा जी नि गा व नी ॥ व ऊ छि मा ह नि ग भा ॥ का भा
 व डा मि दि गु हा ॥ वा क्क धी व द मा ना व गु क्क वा कु क्क वा मि नी ॥ मां ग ल्या मा क बी सो
 मा ॥ जा न व द म ना ऊ वा ॥ का यालि नी म हा व ग ॥ सं धा स र्वा य वा डि ना ॥ सो र्थ वा रु
 क्क या द दि न ह मा र्ग पु द र्मि नी ॥ व व द मा सि नी सा मु ॥ मु नी वू या मि न वि क मा ॥ म
 व बी या मि नी सि धा ॥ व धु ली वा मृ ना कु व ॥ व थ्या यू थ मा हा हा ग ॥ मु ह म वि य द

॥ १ ॥ सा गृह ना भवति नीही मा उग्र उग्र महानया ॥ जगदे कहि ना युको ॥ सव भात
 कि वस्तु बा ॥ वागीश्वरी सिवासु क्रान्ति त्या सर्व सु साधिका ॥ सर्वाथ साधनिरुडा ॥
 गायिका विषय नंददा ॥ मृत्या गो न मीयाका ॥ याम लोक श्रवण मजा ॥ नावा नाम २८
 गुण नंदा ॥ सर्वा साधनिय वधी ॥ ॥ ओं नाव कृपालं वन मे न्यात्मक श्रवणाय स्वा ॥ यो ॥
 हा ॥ ॥ नामाष्टारु वधन कं ॥ कीर्ति नं हि न कामया ॥ बहस्य मनु सं गु सं ॥

दवानामपि दत्तं ॥ सा साधना गक वधं ॥ सर्व कि लिखना सनं ॥ सर्वथा विषय
 मन सर्व सत्व सुख वरु ॥ त्रिकालयत्य ॥ १० धीमान् शु विज्ञान समाहि न ॥ म
 विषय नैव कालेन प्राप्नुयात् ॥ इति मस्या सुखी नित्यं ॥ द विद्या ध
 न वा न वरु ॥ जया रु वस्तु महाया रु ॥ मधवी वन संग य ॥ वंध ना मूय न वधा
 यव हा न जं यो रु वरु ॥ म सु वा मि न ना या मि ॥ गृं गी न श्र वि द रु न ॥ सं य

॥ जा ॥ म सं क न र ॥ र्म ॥ ना ना रु य स मा कू ल ॥ स्म व ना ट व ना मा नि स र्व त या न्य या ह
नि ॥ ना का ल मृ त्यु त व नि ॥ पा प्रा नि वि पू ना म य ॥ मा नू ष्य स रु तं ज म ॥ न स्ये
क स्य म हा त्म न ॥ य स्मि दं धा न वृ ष्ण य मा न व ॥ की र्त्त यि ष्य नि ॥ स द्यो र्घ का ल मा २६
यू ष्या ॥ शी या व ल ह नं त व ॥ द वा म स थ य जा ॥ ग न्ध र्वा क ट पू ट ना ॥ यि सा ॥ वा ॥
वा वा ऊ स रू ना ॥ मा न व रो ड व न मा ॥ ग कि र्वा स्ता व का षु मा ॥ स्क् द मा दा म हा

वैकुण्ठलोकं नमस्कृत्य १ ॥ ओम् वैकुण्ठलोकं नमस्कृत्य २ ॥ ओम्
पद्मलोकं नमस्कृत्य ३ ॥ ओम् आनन्दलोकं नमस्कृत्य ४ ॥ ओम् संघ-
नाथलोकं नमस्कृत्य ५ ॥ ओम् वज्रहृदयलोकं नमस्कृत्य ६ ॥ ओम् कर्मा-
न्तलीलां नमस्कृत्य ७ ॥ ओम् दशकालीं नमस्कृत्य ८ ॥ ओम् वि-
दितां नमस्कृत्य ९ ॥ ओम् श्रीकां

॥ ला ॥ ॐ ह्रियलाकं नमः ॥ १२ ॥ ॐ मः ॥ १३ ॥ ॐ उनामनालाकं नमः ॥ १४ ॥ ॐ विद्याधमिलाकं नमः ॥
१५ ॥ ॐ सामनालाकं नमः ॥ १६ ॥ ॐ विभामणीलाकं नमः ॥ १७ ॥ ॐ लानभानुलाकं नमः ॥ १८ ॥ ॐ भक्तभानुलाकं नमः ॥ १९ ॥ ॐ वरभानुलाकं नमः ॥ २० ॥ ॐ धर्मभानु

लाकं नमः ॥ २१ ॥ ॐ निरंजलाकं नमः ॥ २२ ॥ ॐ विष्णु
रुद्रलाकं नमः ॥ २३ ॥ ॐ शुक्लवर्णलाकं नमः ॥ २४ ॥
ॐ श्रीमन्नारायणलाकं नमः ॥ २५ ॥ ॐ महादेवलाकं नमः
॥ २६ ॥ ॐ सिंहनाथलाकं नमः ॥ २७ ॥ ॐ हलाहललाकं नमः
॥ २८ ॥ ॐ मरुतलाकं नमः ॥ २९ ॥ ॐ मरुत

॥ लो॥ ॥ कलाकम्ब वायनमः॥ १० ॥ ॥ ओं धर्मक वलाकम्ब वायनमः॥ ११ ॥ ॥ ओं धर्म
वडलाकम्ब वायनमः॥ १२ ॥ ॥ ओं श्रीं कलाकम्ब वायनमः॥ १३ ॥ ॥ ओं श्री
सनां गलाकम्ब वायनमः॥ १४ ॥ ॥ ओं शुक्लादि देवलाकम्ब वायनमः॥ १५ ॥ ॥ १६
॥ ओं श्री साध्यामलाकम्ब वायनमः॥ १७ ॥ ॥ ओं कमल वडलाकम्ब वायनमः॥ १८ ॥ ॥ १९
॥ २० ॥ ॥ ओं वर्जलीलाकम्ब वायनमः॥ २१ ॥ ॥ ओं लंमदिलाकम्ब वाय

नमः॥ २२ ॥ ॥ ओं विद्याकुलाकम्ब वायनमः॥ २३ ॥ ॥ ओं श्रीं विद्याकुलाकम्ब
वायनमः॥ २४ ॥ ॥ ओं लं कलाकम्ब वायनमः॥ २५ ॥ ॥ ओं श्रीमन्मला
कम्ब वायनमः॥ २६ ॥ ॥ ओं श्रीं नलाकम्ब वायनमः॥ २७ ॥ ॥ ओं लोका
थलाकम्ब वायनमः॥ २८ ॥ ॥ ओं श्रीं नृलाकम्ब वायनमः॥ २९ ॥ ॥
॥ ओं श्रीं नलाकम्ब वायनमः॥ ३० ॥ ॥ ओं श्रीं नलाकम्ब वायनमः॥ ३१ ॥ ॥ ओं श्रीं नलाकम्ब वायनमः॥ ३२ ॥ ॥

॥ ला ॥ यनमः॥ ४८ ॥ ओं नीलकण्ठलोकध्वजयनमः॥ ४९ ॥ ओं मायाजाललाक
ध्वजयनमः॥ ५० ॥ ओं धवगिलाकध्वजयनमः॥ ५१ ॥ ओं धर्मसैखेन
लाकध्वजयनमः॥ ५२ ॥ ओं मूरयंकबलाकध्वजयनमः॥ ५३ ॥ ओं
नीलध्वजयनमलाकध्वजयनमः॥ ५४ ॥ ओं वल्लभाणीलाकध्वजयनमः॥ ५५ ॥ ओं
५५ ॥ ओं धूमनिदमलाकध्वजयनमः॥ ५६ ॥ ओं धूमगिलाकध्वजयनमः॥

३३

॥ क ॥

यनमः॥ ५७ ॥ ओं गंधविरुलाकध्वजयनमः॥ ५८ ॥ ओं कवशावः
लाकध्वजयनमः॥ ५९ ॥ ओं विवेदिगलाकध्वजयनमः॥ ६० ॥
ओं मार्यवारुलाकध्वजयनमः॥ ६१ ॥ ओं काजिनोवलाकध्वजयन
मः॥ ६२ ॥ ओं आगंवनलाकध्वजयनमः॥ ६३ ॥ ओं वरुवर्लाकध्व
जयनमः॥ ६४ ॥ ओं सुर्यवनलाकध्वजयनमः॥ ६५ ॥ ओं गगनग

॥ ला ॥ लाकं ध्याय नमः ॥ ३३ ॥ ॐ आनय लाकं ध्याय नमः ॥ ३४ ॥ ॐ आनय
निलाकं ध्याय नमः ॥ ३५ ॥ ॐ आनय नीलाकं ध्याय नमः ॥ ३६ ॥
ॐ सिंह मूषि लाकं ध्याय नमः ॥ १० ॥ ॐ विक्कि मि न लाकं ध्याय नमः ॥ ३७
११ ॥ ॐ स न व दाय क लाकं ध्याय नमः ॥ १२ ॥ ॐ श्री विधी स्वध न ला ॥ क ॥
कं ध्याय नमः ॥ १३ ॥ ॐ च त्र वि सि लाकं ध्याय नमः ॥ १४ ॥

ॐ स न द ग लाकं ध्याय नमः ॥ १५ ॥ ॐ क म न लाकं ध्याय नमः ॥
१६ ॥ ॐ गु क गु क लाकं ध्याय नमः ॥ १७ ॥ ॐ आ का स ग र्ग लाकं ध्याय
नमः ॥ १८ ॥ ॐ म य व नी लाकं ध्याय नमः ॥ १९ ॥ ॐ अनि दि
क लाकं ध्याय नमः ॥ २० ॥ ॐ श्री ग व ह स लाकं ध्याय नमः ॥ २१ ॥
ॐ सर्व नी वर्ण विष्कं नी लाकं ध्याय नमः ॥ २२ ॥ ॐ ह र य लाकं ध्याय

॥ ला ॥ यनमः ॥ ८३ ॥ ॐ सागवमालाकं ध्यायनमः ॥ ८४ ॥ ॐ सगुपलाकं
ध्यायनमः ॥ ८५ ॥ ॐ बल्लुहमालाकं ध्यायनमः ॥ ८६ ॥ ॐ सखनीवि
हलाकं ध्यायनमः ॥ ८७ ॥ ॐ हयमालाकं ध्यायनमः ॥ ८८ ॥ ॐ ३५
बलाहमुखलाकं ध्यायनमः ॥ ८९ ॥ ॐ ददिविग्धबाललाकं ध्यायन ॥ क ॥
९० ॥ ॐ सफमुखलाकं ध्यायनमः ॥ ९१ ॥ ॐ महाप्रसंगीबालाकं ध्या

यनमः ॥ ९२ ॥ ॐ मलविधलाकं ध्यायनमः ॥ ९३ ॥ ॐ धर्मविधलाकं
ध्यायनमः ॥ ९४ ॥ ॐ यमालकाललाकं ध्यायनमः ॥ ९५ ॥ ॐ ककुपि
यलाकं ध्यायनमः ॥ ९६ ॥ ॐ वधवीरलाकं ध्यायनमः ॥ ९७ ॥ ॐ ब
हुमुखलाकं ध्यायनमः ॥ ९८ ॥ ॐ धर्मवदलाकं ध्यायनमः ॥ ९९ ॥
ॐ दंदिललाकं ध्यायनमः ॥ १०० ॥ ॐ निखिपेशुलाकं ध्यायनमः ॥ १०१ ॥

॥ ली ॥ ॐ ह्रीं नीलाकं ऋदाय नमः ॥ १०२ ॥ ॐ सर्वल्लिललाकं ऋदाय नमः ॥ १०३ ॥
॥ ॐ ह्रीं जोगकयविलाकं ऋदाय नमः ॥ १०४ ॥ ॐ तिम्रनाथलाकं ऋदाय नमः
॥ १०५ ॥ ॐ आदिबृहलाकं ऋदाय नमः ॥ १०६ ॥ ॐ वज्रसमुलाकं ऋदाय
नमः ॥ १०७ ॥ ॐ तानरुंगिलाकं ऋदाय नमः ॥ १०८ ॥ ॐ किंशुक्र्या ॥ क
विलादि ॥ ॐ अक्षयवामसंस्कारवृद्धाधिकं समाप्य ॥ ॥ ह्रीं धर्म्यादि ॥